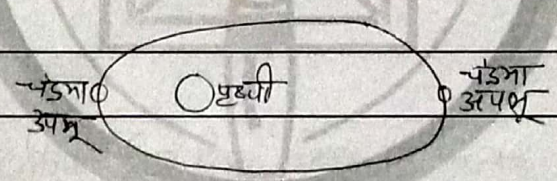
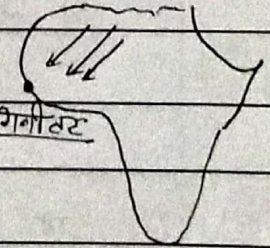


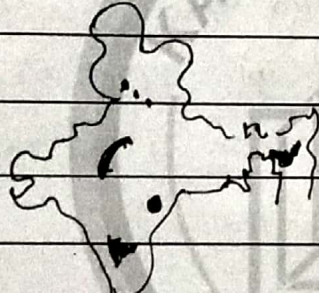
प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
 (Mains Answer Sheet)

1	A	→ सौरमंडल में अधिक अवस्थित नधु किण्व → गैस, धूल एवं चट्टानों से निर्मित
		→ ग्रहों के समान सूर्य की परिक्रमा → सूर्य के नजदीक आने से गैसों का वाष्पीकरण होता है जिससे ग्रह जैसी संरचना निर्मित होती है इसीलिए इन्हें पुच्छल तारा कहते हैं। उदा. हैली धूमकेतु
1	B	→ दीर्घवृत्ताकार पथ में गति करते हुए चंद्रमा की पृथ्वी से न्यूनतम दूरी को अपभू कहते हैं। → इसी प्रकार चंद्रमा जब पृथ्वी से अधिकतम दूरी पर होता है तो अपभू कहलाता है।
		चंद्रमा अपभू  चंद्रमा अपभू
1	C	→ आफ्रीका के परियत्र में चलने वाली स्थानीय पवन → गर्म एवं शुष्क प्रकृति → मघारा मरुस्थल से सिनी लट की ओर  → नवंबर के क्षण से मध्य मार्च तक ^{सिनी लट} → सिनी में डॉक्टर हवा कहते हैं।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

1	D	<p>① सर्कि - गहरे तथा लंबे चौड़े गर्त</p> <p>② डूमलिन - अण्डाकार आकृति, रेत या बमरी युक्त ढेर</p> <p>③ U आकार की घाटी जिले हिमनद घाटी कहते हैं।</p>
1	E	<p>धारवाड़ पर्यटन - आर्कियन क्रम की चयन (रुपांतरित)</p> <p>→ जीवाश्म नहीं</p> <p>→ खनिज की दृष्टि से सम्पन्न</p> <p>→ कनटिक, करावली शैली, रॉयल सीमा</p> <p>दोरा नागपुर पठार तथा अछालय पठार</p>
		 <p>→ सोना, लौहा, लौहा अयस्क आदि खनिज</p>
1	F	<p>→ भारत की सबसे बड़ी खारे पानी की झील (ओडीशा)</p> <p>→ 1981 में अंतर्राष्ट्रीय महत्व की झील सूची के रूप में रामसर सूची में शामिल</p> <p>→ शीतकाल में मध्य एशियाई प्रवासी पक्षियों के लिये आवास</p>
1	G	<p>→ उत्तरांचल हिमालय में अवस्थित</p> <p>→ कैलाशमान सरोवर यात्रा हेतु उपलब्ध मार्ग विकल्प</p> <p>→ विवादित कालापानी क्षेत्र के समीप स्थित</p>

प्रश्न
संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)



भारत का नं. 1 संस्वाज
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

1	H	<p>→ बंगाल की खाड़ी में अवस्थित निजिन द्वीप</p> <p>→ 1970 में आये 'भोला' चक्रवात के बाद अस्तित्व में आया</p>
		<p>→ भारत की संघभूता है।</p> <p>→ तेल एवं प्राकृतिक गैस के भण्डार विद्यमान हैं।</p>
		<p>→ समुद्री जलस्तर बढ़ने से डूब जाता है।</p>
1	I	<p>→ आधुनिक सुविधाओं से युक्त उच्च वर्ग की सड़कें</p> <p>→ 6 से 8 लेन तक नियंत्रित एक्सप्रेस रोड</p>
		<p>→ वर्तमान में लगभग 25 एक्सप्रेस वे</p> <p>→ अहमदाबाद - वडोदरा - भारत का सर्वश्रेष्ठ एक्सप्रेस वे है।</p>
1	J	<p>→ पूर्वोत्तर भारत की महत्वपूर्ण नदी</p> <p>→ मणिपुर राज्य से उद्गम - मेघना ^{नदी} तंत्र में मिलती है।</p>
		<p>→ राष्ट्रीय अलगाव क्र. 6 प्रस्तावित है।</p>
1	K	<p>→ भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण,</p> <p>→ स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत एक</p>
		<p>सांविधिक विभाग है।</p> <p>→ खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण अधिनियम, 2006</p>
		<p>द्वारा स्थापित</p> <p>→ खाद्य पदार्थों की पौष्टिकता एवं उत्पादन, पैकिंग</p>
		<p>आदि से संबंधित मानकों को नियंत्रित करता है।</p>

प्रश्न
संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

1	L	→ वाणिज्य एवं उद्योग प्रचालन के तहत नियामित
		→ स्थानीय स्तर पर उत्पादित कृषि पदार्थों के
		नियति संवर्धन को प्रोत्साहन
		→ वर्तमान में कुल 60 कृषि नियति जोन हैं।
1	M	→ छोटे भूमिखण्डों में बदलाव करके उन्हें बड़े
		भूमिखण्डों में परिवर्तित करना यत्नवादी कहलाता है।
		→ उद्देश्य → कृषि उपज को बढ़ाना, बेहतर समन्वयन
		→ प्रजातंत्रिक देशों में स्वदेशिक, प्रबलित साम्यवादी
		देशों में कृषि कार्य।
1	N	→ सिंचाई की ऐसी पद्धति जिसमें कीटनाशक एवं
		इत्रियों को जल में घोलकर सिंचित किया जाता है।
		→ उद्देश्य - लागत में कमी, पोषक तत्वों का नियंत्रित
		एवं प्रबंधित प्रयोग,
		→ लाभ - कृषि इत्रियों की अवधि कम,
		मृदा में लीचिंग को रोकना
1	O	→ आपदा प्रबंधन हेतु भारत सरकार का सर्वोच्च निकाय
		→ 2004 की सुनामी के बाद 2005 में अधिनियम
		के तहत गठित
		→ आपदा प्रबंधन संबंधी नीतियों का निष्पत्ति एवं निर्देशन
		साथ ही राज्य प्राधिकरण के साथ समन्वय

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

भारत का ज. 1 संस्वाज
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

2	A	पृथ्वी की आंतरिक संरचना कई परतों से मिलकर बनी है जिसकी जानकारी हमें कई अव्यक्त एवं अप्रत्यक्ष स्त्रोतों से मिलती है।
		<p><u>भूपर्पटी</u> - कोर एवं बाहरी भाग → भारी चट्टानों से निर्मित → विभिन्न सतहों पर अलग-अलग मोटाई → घनत्व 3 ग्राम 3 ग्राम प्रति घन सेमी → सिमिकित तथा एल्युमीनियम, मैग्नीशियम से निर्मित</p>
		<p><u>दुर्बलमंडल</u> → ऊपरी मेटल एवं निचला क्रस्ट के बीच 100 से 200 किमी की परत। → ज्वालामुखी क्रिया के दौरान उद्गार का स्त्रोत → इसका घनत्व क्रस्ट से अधिक होता है।</p>

प्रश्न
संख्यामुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

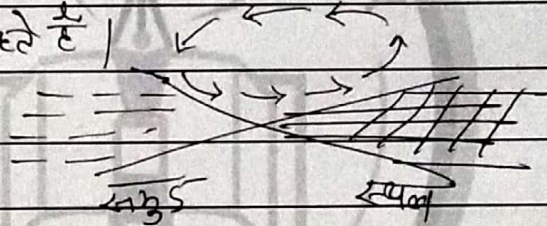
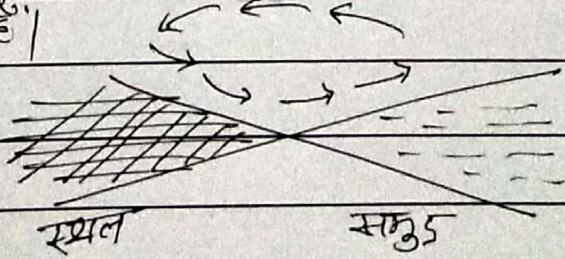
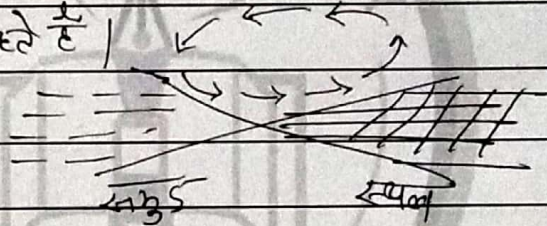
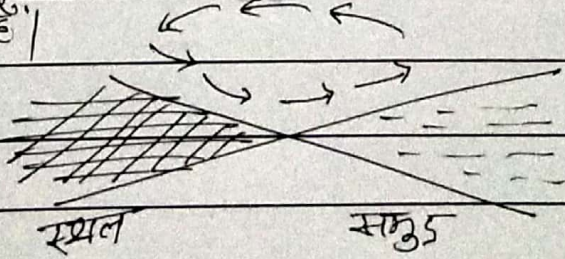
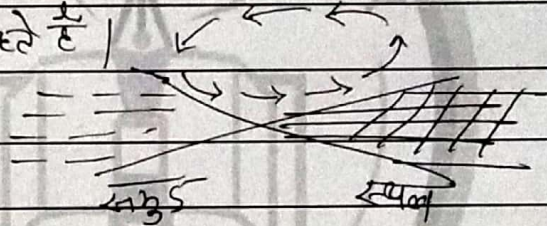
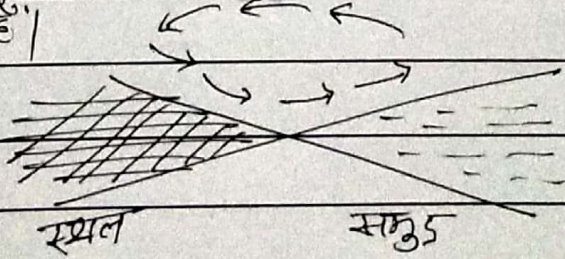
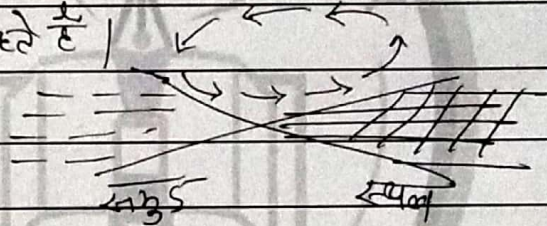
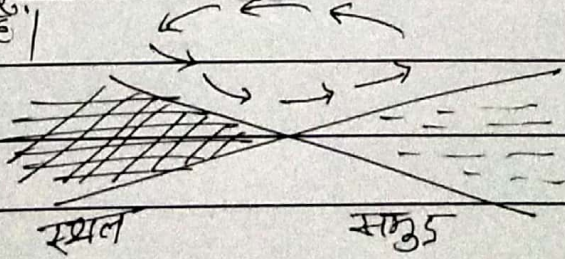
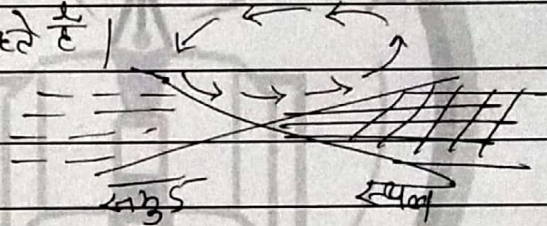
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<u>मैटल</u> → मोहो से लेकर 2900 किमी की दूरी तक मोटी परत
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	→ जोस अवस्था
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	→ ऑलिविन तथा पाइरॉमिजन से निर्मित
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	शूपपटी एवं मैटल की ऊपरी परत मिलकर एथलमोल बनाते हैं।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<u>कोर</u> → 2900 किमी के निचले सम्पूर्ण भाग को कोर कहते हैं।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	ऊपरी कोर द्रवित अवस्था में है जो आयरन तथा निकेल से बना है तथा
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	इसी तत्वों से नियला कोर बना है जो ठोस है।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)



भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

2	B	<p>स्थल समीर व जलसमीर समुद्र एवं स्थल के ऊष्मा अवसोषण एवं स्थानांतरण में भिन्नता के कारण उत्पन्न पवनों का दैनिक चक्र है।</p>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<p>दिन के समय स्थल भाग का समुद्र की अपेक्षा जल्दी गर्म जाने से हवाएं गर्म होकर ऊपर की उठती हैं जिससे निम्न दाब बनता है जबकि समुद्र में अपेक्षाकृत उच्च दाब रहता है इसी दाब प्रवणता के कारण पवनें समुद्र से स्थल की ओर प्रवाहित होती हैं इन्हें सम जलसमीर कहते हैं।</p>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<p>रात्रि में पवनें स्थल से समुद्र की ओर गमन करती हैं क्योंकि स्थल समुद्र की अपेक्षा जल्दी ठंडे होते हैं जिससे दाब प्रवणता उत्पन्न होती है। अतः रात्रि में पवनें का स्थल से समुद्र की ओर प्रवाह स्थल समीर कहते हैं।</p>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)



भारत का ज. 1 संस्करण
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

2	E	2011 की जनगणना के अनुसार ग्रामीण और नगरीय जनसंख्या देश की कुल जनसंख्या का क्रमशः 68.8% तथा 31.2% थी है।	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	चूंकि ग्रामीण एवं शहरी (नगरीय) जनसंख्या के विभाजन का आधार साक्षर-लिंग अंतर अजीविका के साधन तथा सामाजिक परिस्थितियों में भिन्नता है जिससे इनमें आयु लिंग संघटन, व्यवसायिक संरचना, जनसंख्या एवं विकास के हल् भी भिन्न हैं।	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	ग्रामीण जनसंख्या	नगरीय जनसंख्या
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	लिंगानुपात 949	929
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	साक्षरता 67.8%	84%
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	शिशु जनसंख्या अनुपात 12%	32%
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	जनसंख्या घटि 923	915
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	लिंगानुपात	

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)



भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

2	ज	पेट्रोलियम एक महत्वपूर्ण परंपरागत ऊर्जा स्रोत है। भारत में उपस्थिति → टर्शियरी युग की चट्टानों में → सैंड्रैच एवं असैंड्रैच चट्टानों के बीच भ्रंश द्वीप में
		वितरण → असम, गुजरात, महाराष्ट्र
		असम भारत का सबसे पुराना तेल उत्पादक राज्य है।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका (Mains Answer Sheet)



भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

2	4	
		दण्डकारण्य का पठार भारत के प्रायद्वीपीय पठार का भाग है।
		इसका विस्तार कर्नाटक, आंध्र प्रदेश व उड़ीशा राज्य में है।
		यह 90 हजार वर्ग किमी के क्षेत्र में फैला हुआ है।
		<div style="display: flex; justify-content: space-around;"> <div style="text-align: center;"> <p>दण्डकारण्य पठार का पठार</p> <p>↓</p> <p>यह विषम पठार है जिसके दो भाग हैं।</p> <p>↙ ↘</p> <div style="display: flex; justify-content: space-around;"> <div style="text-align: center;"> <p>अस्तर का पठार</p> <p>↓</p> <p>वर्षा की उच्च भूमि पर स्थित</p> </div> <div style="text-align: center;"> <p>दण्डकारण्य की धारी</p> <p>↓</p> <p>① कालाहोत्री का पठार</p> <p>② मालकानगिरि का पठार</p> </div> </div> </div> </div>
		दण्डकारण्य का पठार खनिजों की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है, इसका आर्थिक महत्व है। इसकी औसत ऊँचाई 600 मीटर है।



2	I	
		<u>चेरनोबिल परमाणु दुर्घटना (1986)</u>
		<p>कठ यूक्रेन स्थित</p> <p>कारण</p> <p>प्रभाव</p>
		<p>चेरनोबिल परमाणु संयंत्र के रिएक्टर क्रमांक 4 के फटने से घटित</p> <p>दूर रात उपकरणों की जाँच करते समय मानव त्रुटि गलती की वजह से</p> <p>→ रेडियोधर्मिता का उत्सर्ग</p> <p>→ जानमाल की क्षति</p> <p>→ स्वास्थ्य पर प्रभाव</p>
		<p><u>कैसे घटित हुई -</u></p> <p>अप्रैल 1986 में सोवियत यूनियन के यूक्रेन स्थित प्रिप्यतर शहर में चेरनोबिल परमाणु संयंत्र में रात्रि के समय यह जाँच की जा रही थी कि बिजली के चले जाने पर संयंत्र काम करते हैं या नहीं। अतः जानबूझकर रिएक्टर क्र. 4 को बंद किया गया, परंतु निमग्न में कमियाँ एवं संयंत्र गड़बड़ियों के चलते संयंत्र में आधिकारिक क्षमताओं और भी कम हो गईं जिससे उत्पन्न गर्मी के कारण सारा पानी भाप में बदल गया और दबाव बढ़ने से रिएक्टर क्र. 4 में विस्फोट हो गया। ग्रेफाइट में आग लग गई जो लगातार 9 दिनों तक जलती रही जिससे दक्षिणी सोवियत के वातावरण में रेडियोधर्मिता विकिरण फैल गये।</p>

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
 (Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	एक अनुमान के अनुसार चेरनोबिल की परमाणु दुर्घटना के बाद इतने अधिक मात्रा में रेडियोधर्मी पदार्थ मुक्त हुए जो द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हिरोशिमा व नागासाकी परमाणु हमले के 10 गुना है।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	यह मानव इतिहास की सबसे बड़ी परमाणु दुर्घटनाओं में एक है। इसके कई निशान जाने में अभी भी वर्षों लग सकते हैं क्योंकि कैंसर एवं रेडियोधर्मी विकिरण का प्रभाव अभी वर्तमान में लोगों के स्वास्थ्य पर देखा जा सकता है।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
2	K	सिंचाई की ऐसी पद्धति जिसमें जल का प्रभावी रूप से प्रबंधन करके लागत में कमी एवं फलल उत्पादन वृद्धि की जा सके।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	वर्तमान में कुशल सिंचाई के प्रोत्साहन हेतु सूक्ष्म सिंचाई विधियों को अपनाया जा रहा है। वन रक्षा में भारत सरकार भी "पर ड्रॉप मोर क्रॉप" जैसी योजनाओं को संचालित कर रही है।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	इसके अंगरहित सिंचक सिंचाई तथा बूँद-बूँद सिंचाई प्रणालियाँ शामिल हैं।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<div style="border: 1px solid black; border-radius: 50%; padding: 5px; display: inline-block;"> कुशल सिंचाई प्रणाली </div> <ul style="list-style-type: none"> → सिंचक सिंचाई <ul style="list-style-type: none"> - हल्कीवारिस की तरह - बौद्ध सिंचाई → बूँद-बूँद सिंचाई <ul style="list-style-type: none"> - जल को सीधे पौधों की जड़ों तक बूँद-बूँद करके पहुँचाया जाता है।



मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
 (Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	जल प्रबंधन की दृष्टि से उपयुक्त
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	लाभ → शुरुआत में लागत (अवसंरचना है) बाद में लागत कम
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	→ मृदा क्षय को रोकती है।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	लीचिंग, लवणीयता की समस्या को कम
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	किसानों की आय को 2022 तक दुगुना करने के लिए
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	सरकार के लक्ष्य को प्राप्त करने में इसे प्रभावी रूप से प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए इसके जलवायु परिवर्तन से मृदा संबंधी समस्याओं के संकट को कम किया जा सकता है।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)



भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

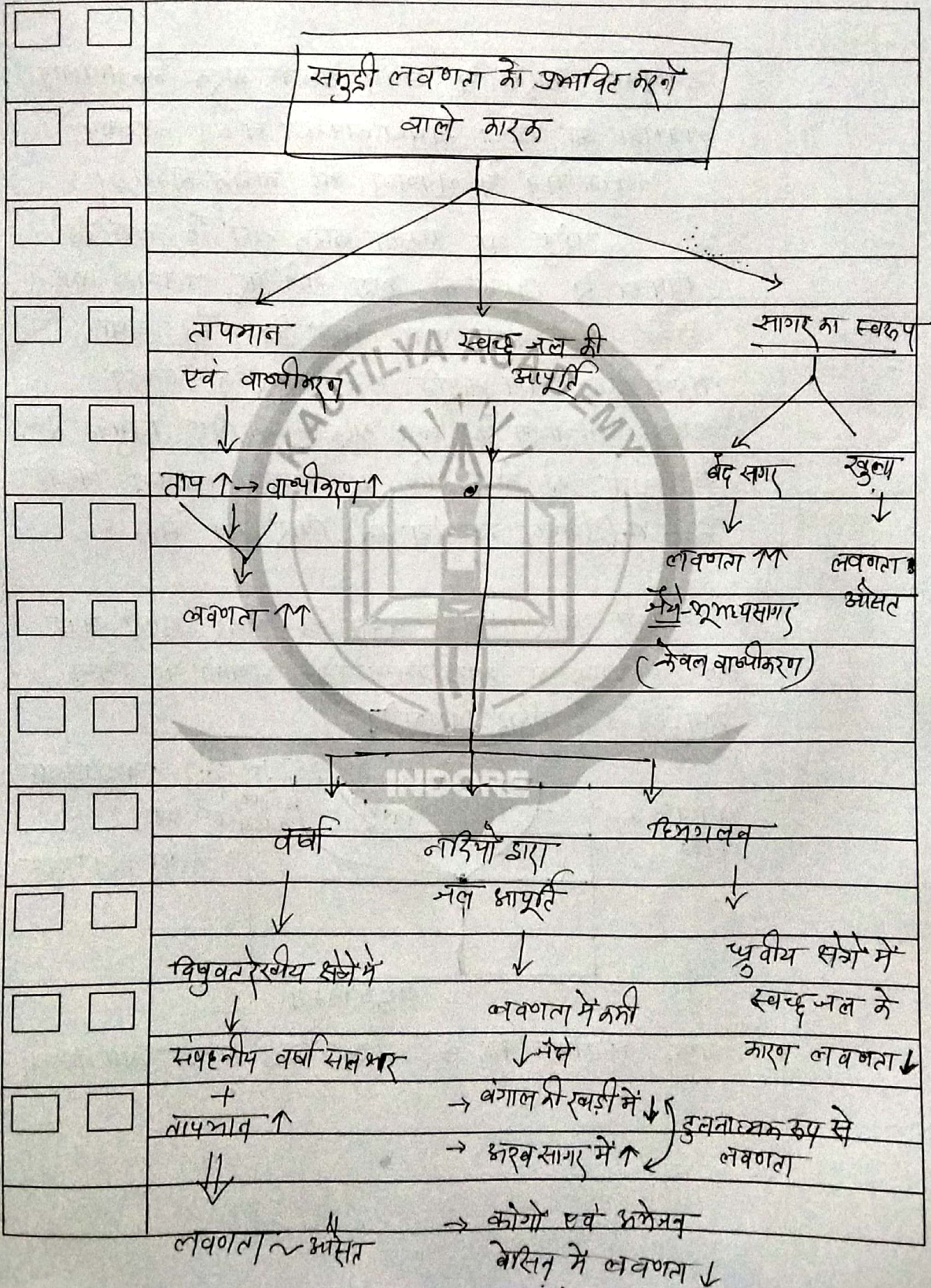
3	A	समुद्री लवणता - समुद्री जल में घुले हुये पदार्थों की मात्रा समुद्री लवणता कहलाती है, इसे ग्राम प्रति हजार ग्राम में व्यक्त किया जाता है।
		समुद्री लवणता = $\frac{\text{समुद्र में घुले लवणीय पदार्थों की मात्रा}}{\text{समुद्री जल का भार}}$ (ग्राम / हजार ग्राम)
		→ समुद्र की औसत लवणता 35‰ है ज्योति प्रति 1000 ग्राम जल में लवणों की मात्रा 35g है।
		<div style="border: 1px solid black; padding: 5px; width: fit-content; margin: 0 auto;">लवणता के स्रोत</div> <div style="display: flex; justify-content: space-around; margin-top: 20px;"> <div style="border: 1px solid black; padding: 5px; text-align: center;">स्थल</div> <div style="border: 1px solid black; padding: 5px; text-align: center;">जलीय जीव</div> <div style="border: 1px solid black; padding: 5px; text-align: center;">गहसागरीय क्रियाएं</div> </div> <div style="display: flex; justify-content: space-around; margin-top: 20px;"> <div style="text-align: center;">→ अपशिष्ट पदार्थ (जैवोमिक्त, प्राकृतिक)</div> <div style="text-align: center;">↓ उत्सर्जन क्रिया से</div> <div style="text-align: center;">↓ ज्वालामुखी आदि</div> </div>
		→ निस्स्रावित जल
		समुद्री लवणता उत्प्रेरक स्थान पर एक समान नहीं है क्योंकि लवणता के स्रोत स्थिर नहीं हैं साथ ही इसे कई तरह के कारक हैं जो प्रभावित करते हैं।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)



भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार



प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	उपयुक्त कारणों में सबसे प्रभावी कारक है → तापमान
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	लवणता का सीधा संबंध तापमान से है। तापमान
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	अधिक होने से लवणता भी अधिक होती है।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	परंतु यह अकेला कारक नहीं है क्योंकि
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	विषुवत से ध्रुवों की ओर जाने पर लवणता कम
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	होती जाति परंतु ऐसा नहीं होता है। वरना,
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	नदियों द्वारा जल आपूर्ति एवं सागर का स्वरूप
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	लवणता निर्धारण के अन्य कारक हैं इसलिए विषुवत रेखा
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	से ध्रुवों की ओर जाने पर पहले लवणता बढ़ती
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	है (उपोष्ण कटिबंध तक) फिर कम होती है।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	इसी प्रकार समुद्री निरल से लेकर ऊपरी सतह
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	तक लवणता का मान भिन्न-भिन्न स्थानों पर भिन्न
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	होता है। (उच्चधर वितरण) ↓
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	समुद्री निरल
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	अतः लवणता को कई कारणों द्वारा प्रभावित किया जाता है।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा-उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)



भारत का नं. 1 संस्वान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

3	B	गंगा नदी भारत की सबसे महत्वपूर्ण नदी है। यह उत्तर भारत के मैदानों में बहती है; उत्तराखण्ड राज्य के उत्तरकाशी जिले में धु गोमुख के निकट गौत्री हिमबद्ध से निकलती है। जहाँ इसे भागारखी के नाम से जाना जाता है। देवप्रयाग में अलकनंदा से मिलकर 'गंगा' कहलाती है।
		उत्तर भारत के 4 राज्यों उत्तराखण्ड, उत्तरप्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल से होकर गुजरती है और 2525 किमी की दूरी तय करने के बाद बंगाल की खाड़ी में सागर द्वीप के समीप विश्व समुद्र में विलीन हो जाती है। उत्तर भारत का मैदान एवं इसकी सहायक नदियों द्वारा लाये गये जलोढ़ से निर्मित है साथ ही उत्तर भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक जीवनशैली का हिस्सा है। गंगा के किनारे कई पवित्र शहर जैसे इलाहाबाद, वाराणसी, पटना बसे हैं। प्राचीन काल से लेकर आधुनिक समय तक क्षेत्रों भारत के उत्तरी भाग के जनजीवन को सभी प्रकार से पोषित किया है इसीलिए गंगा का उत्तर भारत में विशेष महत्व है।
		ऐतिहासिक बृहत्काल से लेकर वर्तमान तक जीवन का पोषण
		महत्व
		- मगध साम्राज्य में गंगा किनारे स्थित पाटलिपुत्र का विशेष महत्व था

प्रश्न
 संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
 (Mains Answer Sheet)

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<u>आर्थिक</u>	←	<u>सांभानिक-सौंस्कृतिक</u>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	→ परिवहन-सेवा	महत्व	- लोगों की भावना का प्रतीक
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	→ राष्ट्रीय जलमार्ग क्र.1		- उत्तराखंड राज्य न्यायालय ने 2017 में जीवित संविधि का दर्जा
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	→ वनारस में फ्रेट विलेज संशोधन में आई		
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>			<u>वैज्ञानिक</u>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<u>कृषि क्षेत्र</u>		
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	→ गंगा व सहायक नदियाँ		→ गंगाजल की पवित्रता का वैज्ञानिक अध्ययन
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	उपजाऊ मैदान का निर्माण		वेब्टीरियोफोफेज जीवाणु की उपस्थिति से बचा।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	→ नहरों से सिंचाई		
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	इस प्रकार गंगा नदी के महत्वपूर्ण योगदान से इसे उत्तर भारत की जीवनरेखा कहा जाता है।		
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	गंगा नदी अपवाह क्षेत्र भारत का सबसे बड़ा अपवाह क्षेत्र है उत्तर भारत में करीब 8.5 लाख वर्ग किमी में फैला हुआ जिसमें उत्तर में हिमालय से निकलने वाली तथा दक्षिण में अधःस्थल मध्य भारत के पठार से निकलने वाली 25 से अधिक नदियाँ प्रत्यक्ष रूप से शामिल हैं।		

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)



भारत का नं. 1 संस्वाज
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<p>गंगा नदी अपवाह क्षेत्र विशाल परिष्प का बितरण करता है। इसकी दायी ओर से मिलने वाली सहायक नदियाँ → अयोध्या, दिवाली, नदियाँ हैं। मधनरा बड़ी दायी ओर पहाड़ों से निकलकर प. बंगाल में गंगा से मिलती है।</p> <p>मध्य भारत के पहाड़ से निकलने वाली नदियाँ हैं - यमुना, सिंध, बेलवा केन आदि अमुक हैं ये नदियाँ दायी ओर से गंगा की सहायक नदियाँ हैं।</p>

प्रश्न
संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

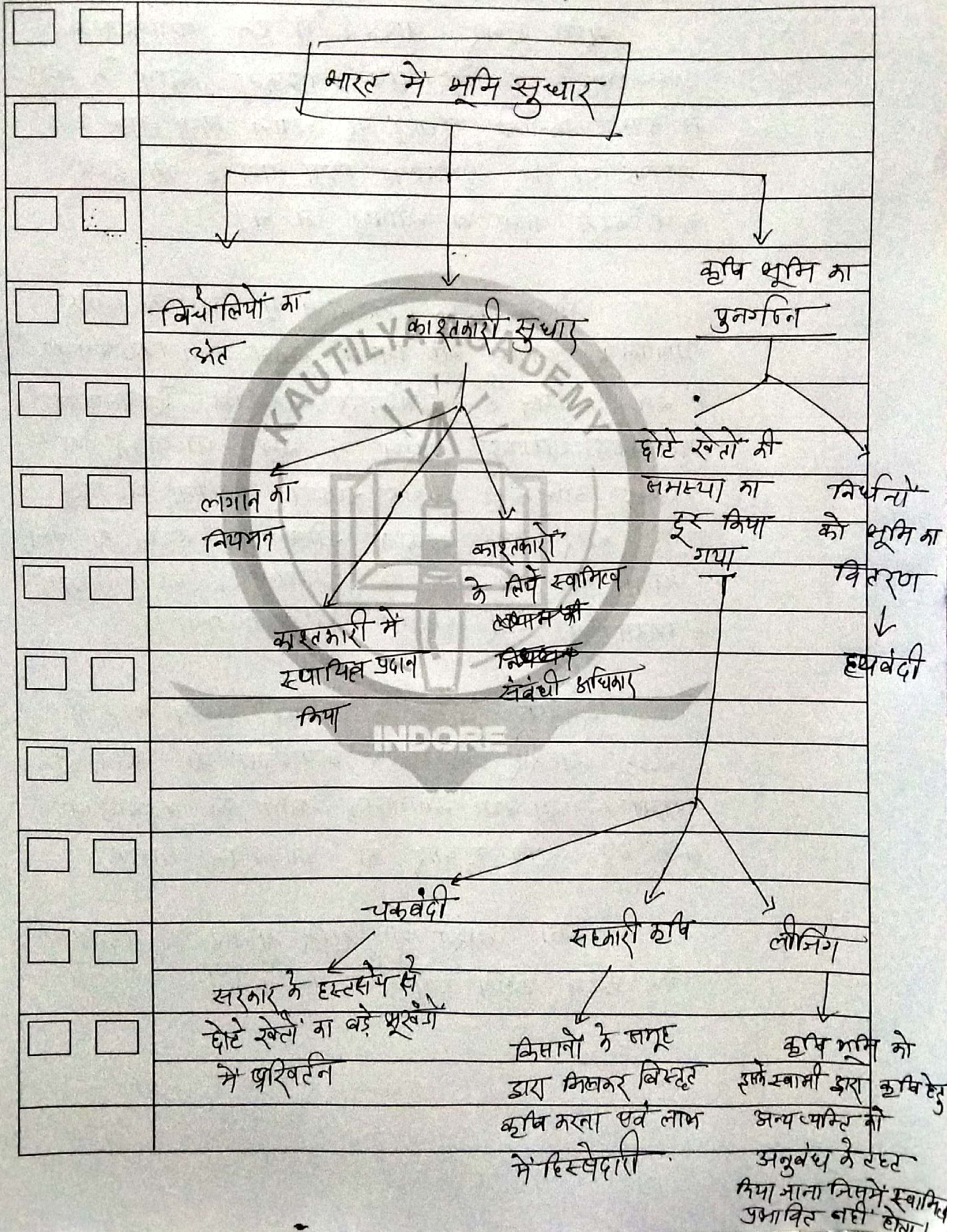
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	नदी यमुना की दाँयी सहायक है।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	से सोन, झमरुक की पहाड़ियों से निकलने वाली
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	गंगा की महत्वपूर्ण दाँयी सहायक नदी है यह पटना
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	के पश्चिम में आरा (बिहार) के समीप गंगा में मिलती है।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	रोस नदी कैमूर पहाड़ियों से निकलकर 320 किमी
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	की दूरी तय करने के बाद सिरसा, इलाहबाद के समीप
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	गंगा में समाहित हो जाती है।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	इस प्रकार गंगा नदी उपवाह क्षेत्र उत्तर भारत
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	में लगभग सम्पूर्ण भाग में विस्तृत है जो अपनी
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	अनेक नियमवादी नदियों से उत्तर के विशाल मैदान की
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	रचना करता है।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	

प्रश्न
संख्यामुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

3	C	भूमि सुधार वास्तव में एक समाजशास्त्रीय अवधारणा है जिसमें कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए न केवल तकनीकी सुधारों पर ध्यान दिया जाता है, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया जाता है कि कृषि कार्य करने वालों का शोषण न हो।
		औपनिवेशिक भारत में भू धारण की अनेक प्रणालियाँ उपलब्ध थी जिनकी क्षमता-क्षमता विशेषतायें हैं इनमें शामिल हैं - इनारेदारी, जमींदारी, रैथतवाड़ी, महालवाड़ी इत्यादि। प्रारंभ में इन व्यवस्थाओं का मकसद अधिक से अधिक राजस्व बसूलना था परंतु धीरे-धीरे इनका स्तुभाव शोषण की तरफ हो चला साथ ही कृषि भूमि के उन्नयन व आधुनिकीकरण के दिशा में कोई ध्यान नहीं दिया गया।
		स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् स्वतंत्र भारत की संघीय सरकार ने कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देने, गरीबी निवारण तथा सामाजिक न्याय को सुनिश्चित करने हेतु भूमि सुधार को आवश्यक माना।
		अतः भारत में भूमि सुधार की दिशा में अनेक कदम उठाये गये जो निम्न हैं।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)



प्रश्न
संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)



भारत का नं. 1 संस्वाज
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

प्रश्न संख्या	उत्तर
<input type="checkbox"/> 1	
<input type="checkbox"/> 2	
<input type="checkbox"/> 3	
<input type="checkbox"/> 4	
<input type="checkbox"/> 5	
<input type="checkbox"/> 6	
<input type="checkbox"/> 7	
<input type="checkbox"/> 8	
<input type="checkbox"/> 9	
<input type="checkbox"/> 10	
<input type="checkbox"/> 11	
<input type="checkbox"/> 12	
<input type="checkbox"/> 13	
<input type="checkbox"/> 14	
<input type="checkbox"/> 15	
<input type="checkbox"/> 16	
<input type="checkbox"/> 17	
<input type="checkbox"/> 18	
<input type="checkbox"/> 19	
<input type="checkbox"/> 20	
<input type="checkbox"/> 21	
<input type="checkbox"/> 22	
<input type="checkbox"/> 23	
<input type="checkbox"/> 24	
<input type="checkbox"/> 25	
<input type="checkbox"/> 26	
<input type="checkbox"/> 27	
<input type="checkbox"/> 28	
<input type="checkbox"/> 29	
<input type="checkbox"/> 30	

भूमि सुधार हेतु भारत सरकार द्वारा उठाये गये
पयलि कदमों के वावजूद वर्तमान में कृषि क्षेत्र
की चुनौती जस की तस बनी हुयी निम्न कारण
यह है कि इसके क्रियन्वयन में गड़बड़ियों का होना।
भूमि सुधार की दिशा में ये प्रयास कुछ
हद तक तो सफल माने जा सकते हैं परंतु अभी
भी बहुत कुछ किये जाने की आवश्यकता है।